

5.9.162

22/8/26 पत्रावली पेश हुई। वकुलाय उपस्थित
P.O साहब दीगर कार्य में स्थिति है।
पत्रावली पूर्व आदेशानुसार दिनांक 9/9/26
को पेश हो।

1 क
ईसिंह
दादी
12 व
मा
वत
क्त
क्रय
प्रा0
कर
शुभ
दा

09/09/2025

पत्रावली पेश हुई। वकुलाय उप0। प्रार्थना पत्र अन्तर्गत
आदेश 07 नियम 11 सीपीसी पर बहस वकुलाय उभयपक्ष
सुनी गयी। वास्ते आदेश मिसल दिनांक 23.09.2025 को
पेश हो।

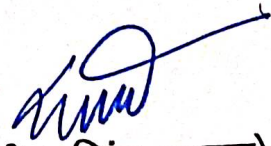
[Signature]

23/09/2025

वास्ते आदेश मिसल आज पेश हुई। प्रार्थना पत्र अन्तर्गत
आदेश 07 नियम 11 सीपीसी पर बहस पूर्व में सुनी जा
चुकी हैं। दौराने बहस वकील प्रार्थी (प्रा0 पत्र आदेश 07
नियम 11 सीपीसी) ने अपने प्रार्थना पत्र में अंकित तथ्यों
को दोहराते हुए प्रा0 पत्र आदेश 07 नियम 11 सीपीसी
स्वीकार कर वादी का वादपत्र भारी हर्जे के साथ खारिज
फरमाने का निवेदन किया। वकील प्रतिपक्ष ने जवाब प्रा0
पत्र आदेश 07 नियम 11 सीपीसी में अंकित तथ्यों को
दोहराते हुए प्रा0 पत्र आदेश 07 नियम 11 सीपीसी
खारिज फरमाने का निवेदन किया।

पत्रावली व पत्रावली पर उपलब्ध राजस्व रिकार्ड,
प्रा0 पत्र आदेश 07 नियम 11 सीपीसी व जवाब प्रा0 पत्र
आदेश 07 नियम 11 सीपीसी का अवलोकन किया गया
एवं बहस वकुलाय उभयपक्ष पर सगौर मनन किया गया।
चूंकि विवादित भूमि में वादीगण एवं प्रतिवादी सं0 7
मूलसिंह का 1/2 हिस्सा की खातेदारी रही हैं तथा
दाखा बेवा गंगासिंह का नाम उसकी मृत्यु होने के कारण
उसके एक मात्र पुत्र सवाई सिंह पुत्र गंगासिंह प्रतिवादी
सं0 6 के नाम विरासत का इन्तकाल सं0 6 कर
जमाबन्दी में 1/2 हिस्सा की खातेदारी सवाई सिंह पुत्र
गंगासिंह के नाम दर्ज कर दी गयी तथा सवाई सिंह ने
अपने 1/2 हिस्सा की उक्त भूमि को प्रतिवादीगण सं0 1
ता 5 को जरिए रजिस्टर्ड बैनामा दिनांक 12.06.2002 को

विक्रय कर कब्जा जमीन सम्भला दिया इसके पश्चात सवाईसिंह के स्थान पर प्रतिवादीगण सं० 1 ता 5 के हक में खातेदारी का इन्तकाल सं० 359 ग्राम दरीबा दिनांक 19.06.2002 को स्वीकार किया गया। वादीगण द्वारा पेशशुदा बैनामा के अनुसार गंगासिंह प्रतिवादी सं० 6 के पिता ने सम्वत 2017 को वादी भंवर सिंह को बेचान कर दी। लेकिन उक्त बैनामा पंजिकृत नहीं हैं। जिस कारण अनरजिस्टर्ड विक्रय पत्र के आधार पर तथा प्रतिकूल कब्जा के आधार पर वाद विधि द्वारा वर्जित व पोषणीय नहीं होने पर प्रार्थी का प्रा० पत्र आदेश 07 नियम 11 सीपीसी न्यायहित में स्वीकार कर वाद वादी खारिज किया जाता हैं। पत्रावली फ़ैसल शुमार होकर नम्बर से कम हो तथा बाद तकमील दाखिल दफ़तर हो। निर्णय सरे ईजलास सुनाया गया।



(राजवीर सिंह यादव)

सहायक क्लर्क,
(फौरव थ्रेक) मीमकाथाना